



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. २२२] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल २१, १९८९/वैसाख १, १९११
No. 222] NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 21, 1989/VAISAKHA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि कम अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, २१ अप्रैल, १९८९

का. आ. सं. २९९ (अ):—विदेशी अभिवाय (विनियमन) अधिनियम, १९७६
(१९७६ का ४९) की धारा ८ के खंड (घ) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा

विदेशी अभिदाय (दानों या उपहारों की स्वीकृति अथवा, उनका प्रतिधारण) विनियमन, 1978 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) ये विनियम विदेशी अभिदाय (दानों या उपहारों की स्वीकृति अथवा उनका प्रतिधारण) संशोधन विनियम, 1989 कहलाएंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. विदेशी अभिदाय (दानों या उपहारों की स्वीकृति अथवा उनका प्रतिधारण) विनियम, 1978 के विनियम 3 में:—

(क) उप विनियम (2) :—

(1) “तीस दिनों के भीतर” शब्दों के बाद “भारतीय शिष्टमंडल के नेता” शब्द जोड़े जाएंगे,

(2) परन्तुक के बाद, निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायगा, अर्थात्:—

“आगे शर्त यह है कि यदि भारतीय शिष्टमंडल के नेता का यह मत हो कि ऐसे दान (दानों) अथवा उपहार (उपहारों) का भारत में बाजार मूल्य 1,000 रुपए से अधिक है और उक्त नेता ऐसे व्यक्ति को लिखित में यह निदेश दे कि इन विनियमों की ऐसी अपेक्षाओं का जो उसके मामले में लागू होती हों, अनुपालन करे तो ऐसे व्यक्ति द्वारा इन विनियमों में दी गई अपेक्षाओं का अनुपालन किया जाएगा।

(ख) उप-विनियम (7) में परन्तुक के बाद, निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा’ अर्थात्:—

“आगे शर्त यह है कि किसी व्यक्ति के द्वारा एक ही शिष्टमंडल में रहते हुए एक से अधिक दान या उपहार प्राप्त किए गए हों और ऐसे सभी दानों या उपहारों का भारत में बाजार मूल्य, भारतीय शिष्टमंडल के नेता द्वारा यथा-निर्धारित 1,000/- रुपए से अधिक नहीं हो तो ऐसा व्यक्ति ऐसे सभी दानों/उपहारों को प्रतिधारित कर सकेगा।”

[सं. II/21022/10(2)/82—एफ. सी. आर. -I]

इंदिरा मिश्र, संयुक्त सचिव

टिप्पणी:—मुख्य विनियम 22 जून, 1978 को का. आ. 407 (अ) के तहत अधिसूचित किए गए, और बाद में 5-11-81 के का. आ. 786 (अ) तथा 31-12-84 को का० आ. 980 (अ) के तहत संशोधित किए गए थे।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April, 1989

S.O. 298 (E) :- In pursuance of clause (d) of section 3 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Foreign Contribution (Acceptance or Retention of Gifts or Presentations) Regulations, 1978, namely :-

(i) These regulations may be called the Foreign Contribution (Acceptance or Retention of Gifts or Presentations) Amendment Regulations, 1989.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In regulation 3 of the Foreign Contribution (Acceptance or Retention of Gifts or Presentations) Regulations, 1978,

(a) in sub-regulation (2) -

(i) after the words "intimate to", the words "the leader of the Indian delegation", shall be inserted ;

(ii) after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely :-

"Provided further that the requirements contained in these regulations shall be complied with by such person if the leader of the Indian delegation is of the opinion that the market value, in India, of such gift (s) of presentation(s) exceeds Rs. 1,000 and the said leader directs in writing to such person to comply such of the requirements of these regulations, as may be applicable, in his case.

(b) In sub-regulation (7), after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely :-

"Provided further that where more than one gift or presentation has been received by such person, while he is in one delegation, and the aggregate market value, in India, of all such

gifts or presentations, does not exceed Rs. 1,000, as determined by the leader of the Indian delegation, such person may retain all such gifts/presentations".

[No. II/21022/10 (2)/82-FCRA-1]

INDIRA MISRA, Jt. Secy.